14. सूचना संचार तथा प्रचार सेवाएं

कृषि सूचना एवं प्रकाशन निदेशालय (दीपा) द्वारा परिषद की ज्ञान एवं सूचना के प्रचार-प्रसार संबंधी गतिविधियों की योजना तैयार करने और उनके समन्वयन के दायित्वों के संवहन की भूमिका नोडल एजेंसी के रूप में निभाई जा रही है। इसके अतिरिक्त परिषद की ब्रांड इमेज को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने का दायित्व भी दीपा द्वारा बसूबी निभाया जा रहा है। इस अवधि के दौरान दीपा को परिषद के ज्ञान स्रोत केन्द्र के रूप में भी विकसित करने का प्रयास प्रिंट, इलैक्ट्रॉनिक और वेब माध्यम से सूचनाओं के प्रसार के जरिये किया गया है। आई सी टी पर अधिक बल देते हुए उपयोगकर्ता हितैषी फारमेट में सूचनाओं एवं जानकारियों के तीव्र, प्रभावी, वास्तविक समय तथा कम लागत में प्राप्ति के विकल्प भी दीपा द्वारा उपलब्ध कराए गए है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की वेबसाइट (www.icar.org.in) द्वारा नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, छात्रों कृषकों, नार्स से जुड़े विभिन्न वर्गों के लोगों तथा अन्य पणधारकों के लिए ज्ञान/सूचनाओं को सुलभ कराया जाता है। परिषद की वेबसाइट का लाभ उठाने वाले लोगों की संख्या में इस दौरान आश्चर्यजनक गति से कई गुना अधिक वृद्धि हुई है। औसतन 1,50,000 विजिटर प्रतिमास इस वेबसाइट को देखते हैं जिनमें 45% नए विजिटर होते हैं। इस वेबसाइट की मूल्य संबर्धित सेवाओं में न्यूज/प्रेस रिलीज, वीडियो फिल्में, फोटो गैलरी, न्यूजपेपर, क्लीपिंग्स, मौसम आधारित कृषि परामर्श, वर्चुअल टूअर्स, नए प्रकाशन तथा अन्य सुविधाएं शामिल हैं, जिनका लाभ 184 देशों के 4,746 शहरों में रहने वाले लोग विश्वस्तर पर उठा रहे हैं। इस वधि में 1,207 नए पृष्ठों को जोड़ा गया तथा 1248 पृष्ठों को अपडेट किया गया। विभिन्न पणधारकों के बीच परिषद की गतिविधियों को प्रचारित करने के उद्देश्य से भा.कृ.अनु.प. लोगो, वीडियों स्पॉट्स, औडियो जिन्गल्स तथा अन्य प्रकार के स्लोगन को वेबसाइट पर निशुल्क डाउनलोड के तौर पर उपलब्ध कराया गया है। परिषद की ब्रांडिंग बनाने के क्रम में भा.कृ.अनु.प. प्रणाली के उपयोगकर्ताओं को एकसमान ई-मेल आई डी देने के कार्य का क्रियान्वयन किया जा चुका है। वेबसाइट सामग्री की नियमित आधार पर विषय विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा करने और उपयोगी व अद्यतन जानकारियों उपलब्ध देने को हमेशा प्राथमिकता दी जाती है।

ताजा रूझानों के अनुरूप मार्च 2010 से भा.कृ.अनु.प. वेबसाइट पर इंटरफेस के माध्यम से परिषद के शोध पत्रिकाओं, द इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज और द इंडियन जर्नल ऑफ एनीमल साइंसेज को फ्री-ओपन मोड में उपलब्ध कराया गया है। ई-जर्नल (इलैक्ट्रॉनिक माध्यम में उपलब्ध पत्रिकाओं) के लिए http://epubs.icar.org.in को लॉग ऑन किया जा सकता है। यह एन ए आई पी के अंतर्गत परिचर्चित ई-पब्लिशिंग नॉलेज सिस्टम इन एग्रीकल्चरल रिसर्च कार्यक्रम के तहत किया गया है। इन पत्रिकाओं के ऑन लाइन संस्करणों की पहुंच विश्व भर के 47 देशों के 4,476 उपयोगकर्ताओं तक हो चुकी है (द इंडियन जर्नल

भा.कृ.अनु.प. के वैज्ञानिक जर्नलों को मार्च 2010 से फ्री-ओपन एक्सेस मोड में उपलब्ध कराया

ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज 2,232 तथा द इंडियन जर्नल ऑफ एनीमल सांइसेज 2,244), मार्च 2010 से द इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज और द इंडियन जर्नल ऑफ एनीमल साइंसेज में प्रकाशित लेखों का डाउनलोड क्रमश: 3,453 और 2,156 रहा। औसतन प्रति लेख का डाउनलोड 10 से 15 रहा। इन पत्रिकाओं के डेटाबेस में दोनों पत्रिकाओं के लिए क्रमश: 863 और 1,210 रजिस्टर्ड समीकरणों की जानकारियां अब तक संग्रहित हैं। इस डेटाबेस को निरंतर अपडेट किया जाता है। शोध लेखों के अविलम्ब प्रकाशन हेतु समेकित ऑनलाइन कम्यूनीकेशन प्रणाली और अनुसंधान पत्रिकाओं के प्रकाशन को पूर्ण रूप से स्वचालित बनाया गया है। इन पत्रिकाओं के अलावा आई सी ए आर रिपोर्टर, आई सी ए आर न्यूज, आई सी ए आर मेल, एगबायोटैक डाइजेस्ट और आई सी ए आर चिट्ठी (हिन्दी) भी इलैक्ट्रॉनिक मोड के अलावा प्रिंट संस्करणों में अधिक प्रचार हेतु उपलब्ध है।

विभिन्न पणधारकों की ज्ञान और सूचना सम्बंधित आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कृषि, बागवानी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, कृषि अभियांत्रिकी, पशुपालन, मात्स्यिकी और सम्बद्ध विज्ञान सरीखे विषयों पर लगभग 100 प्रकाशन इस दौरान उपलब्ध कराए गए हैं। निदेशालय द्वारा अनुसंधान पत्रिकाओं, लोकप्रिय पत्रिकाओं तथा इन-हाउस जर्नल-7 अंग्रेजी तथा 4 हिन्दी का प्रकाशन विभिन्न लक्षित पाठक वर्गो के लिए निरंतर जारी है।

रक्षा अनुसंधान हेतु संसाधनों की भागीदारी को प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के तहत अभी तक 9 अनुसंधान संस्थान/राज्य कृषि विश्वविद्यालय जुड़ चुके हैं और अन्य संस्थान भी जल्दी ही जुड़ने वाले हैं। प्रभावी संचार हेतु भा.कृ.अनु.प. संस्थानों (62) ने इंटरनेट बैंडविड्थ 512 Kbps से 4 Mbps कर ली है। राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों को सुझाव दिया गया कि वे अपनी बैंडविड्थ 10 एमबीपीएस तक करें और अन्य संस्थान 4 Mbps तक करें। एनएआईपी उप प्रायोजना एग्रोवेब डिजीटल डिस्सेमिनेशन सिस्टम्स फॉर इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च संस्थानों

के वेबसाइट के लिए सामग्री, साज-सज्जा और स्वरूप के लिए एकसार मार्गदर्शिका का विकास किया गया। आठ भा.कृ.अनु.प. संस्थानों ने इन मार्गदर्शिका पर कार्य किया है एवं अन्य संस्थानों को कार्य रूप देने के लिए निर्देश दिये गये हैं।

इस वर्ष में लक्षित समूह को संदेश भेजने और संदेश के बहुगुणन करने के लिए मास मीडिया संसाधनों को प्रयोग किया गया। प्रैस और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा निम्न प्रमुख घटनाओं की कवरेज की गयी - एनडीआरआई द्वारा नर कटड़े **श्रेष्ठ** की सफल क्लोनिंग, बेल्जियम की राजकुमारी हर रॉयल हाइनैस प्रिंसेस मैथिल्डे का भा.कृ.अ.स. में खाद्य सुरक्षा पर एक वादविवाद में भागीदारी, 6 नवम्बर 2010 को मुम्बई में कृषि एक्स्पो के दौरे पर अमेरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का महिला-हितैषी उपकरणों की सहाहना। परिषद द्वारा आयोजित निम्न प्रमुख आयोजनों में प्रचार और जन संपर्क सेवाएं प्रदान की गयी:

- गुणवत्तापूर्ण बीज और रोपण सामग्री-बागवानी फसलों में स्वास्थ्य प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन (11 मार्च), नई दिल्ली
- ई-कृषि विज्ञान केन्द्र नेटवर्क संचालन केन्द्र का शुभारम्भ (21 अप्रैल), नई दिल्ली
- जैविक खेती पर परामर्श बैठक (23 अप्रैल), नई दिल्ली
- के वी के आमुख - 2010 (26 अप्रैल), नई दिल्ली
- क्षेत्र VII की क्षेत्रीय कमेटी बैठक (14 मई), बेंगलुरू
- कृषि में प्रौद्योगिकी उन्नयन पर राष्ट्रीय बैठक (20 मई), नई दिल्ली
- कृषि जैवविविधता प्रबन्धन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श (26 मई), नई दिल्ली
- क्षेत्र-1 की क्षेत्रीय समिति बैठक (10 जून), जम्मू
- कृषि विश्वविद्यालयों के डीन की पहली परामर्श बैठक (25 जून), हैदराबाद
- भा.कृ.अनु.प. स्थापना दिवस भाषण (16 जुलाई), नई दिल्ली।
- भा.कृ.अनु.प. उद्योग बैठक 2010 (28 जुलाई), नई दिल्ली
- तिलहन/वेजीटेबल ऑयल के उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियों पर गहन विचार-विमर्श (7-8 अगस्त), हैदराबाद
- क्षेत्र 2 की क्षेत्रीय समिति बैठक (14 सितम्बर), हैदराबाद
- राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, समतुल्य विश्वविद्यालयों और केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक (4 अक्तूबर), नई दिल्ली
- महिला अनुकूल खेती औजार और उपकरण पर दो दिवसीय विचार-विमर्श (4-5 अक्तूबर), भुवनेश्वर
- क्षेत्र IV की क्षेत्रीय समिति बैठक (7 अक्तूबर), भुवनेश्वर
- मौसम का पूर्वानुमान और कृषि परामर्श सेवाओं पर आमुख बैठक (18 अक्तूबर), नई दिल्ली
- विश्व खाद्य दिवस (16 अक्तूबर), नई दिल्ली
- क्षेत्र VI की क्षेत्रीय समिति बैठक (21 अक्तूबर), बीकानेर
- नारियल जैवविविधता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (27 अक्तूबर), कासरगोड

परिषद ने अपनी प्रौद्योगिक सुदृढ़ता और सूचना उत्पादों की नुमाइश के लिए 20 राष्ट्रीय स्तर के प्रौद्योगिकी मेलों/सम्मेलनों में भाग लिया। भा.कृ.अनु.प. संस्थानों को क्षेत्र विशेष में क्षेत्रीय मेलों/एक्सपो में भाग लेने के लिए प्रायोजना निदेशालय समन्वयन और सुविधा प्रदान की गयी। एनएआईपी- उप प्रायोजना कृषि सूचना की भागीदारी में जन संचार-माध्यमों का प्रयोग के तहत

भा.कृ.अनु.प. के प्रकाशनों को देखने में किसानों ने रुचि दिखाई

देश भर में 20 प्रदर्शन आयोजित किये गये जहां 2,500 से अधिक कृषकों/उद्यमियों ने प्रौद्योगिकी सृजनकर्ताओं से सीधे सूचना प्राप्त की। जन संपर्क को उन्नत और सुदृढ़ करने के लिए मीडिया बैठकें, आमुख, विचार विर्मश और पत्रकारों के दौरे आयोजित किये गये, इनमें 500 से अधिक प्रिंट और इलैक्ट्रॉनिक मीडियाकर्मियों ने भाग लिया। इस कार्यकलाप का विवरण 900 क्षेत्रीय/राष्ट्रीय मीडिया न्यूज़ में समाया है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्यूनिकेशन में कृषि में सकारात्मक लेखन के लिए 30 से ज्यादा वैज्ञानिकों का ओरिएन्टेशन प्रशिक्षण दिया गया। ❑